केंद्रीय मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह
और राज्य मंत्री श्री जॉर्ज कुरियन ने आईसीएआर-सीफा का दौरा किया

केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी तथा पंचायती राज मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह ने केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी तथा अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री श्री जॉर्ज कुरियन के साथ आज भुवनेश्वर में भाकृअनुप-केंद्रीय मीठे पानी के जलीय कृषि संस्थान का दौरा किया। यात्रा के दौरान, उन्होंने संस्थान की मीठे पानी के जलीय कृषि अनुसंधान गतिविधियों की समीक्षा की।

यात्रा के दौरान विभिन्न खाद्य मछली किस्मों और जलीय कृषि प्रणालियों का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शित मछलियों में इम्प्रूव्ड रोहू 'जयंती', जीआई स्कैम्पी, माइनर कार्प, कैटफ़िश, म्यूरेल, अनाबास और पर्ल मसल्स के साथ-साथ सजावटी मछलियाँ शामिल थीं। विभिन्न जलीय कृषि प्रणालियों जैसे तालाब संस्कृति और बायो-फ्लोक, और एक्वापोनिक्स का भी प्रदर्शन किया गया। मंत्रियों ने आईसीएआर-कृषि विज्ञान केंद्र, खोरधा में किसानों और कृषि महिलाओं के एक समूह के साथ भी बातचीत की और केवीके और फार्मर फर्स्ट परियोजना के गोद लिए गए किसानों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का दौरा किया।

हितधारकों को संबोधित करते हुए श्री राजीव रंजन सिंह ने गुणवत्तापूर्ण मछली उत्पादन, मूल्य संवर्धन और निर्यात की दिशा में अधिक अनुसंधान और नवाचार का आह्वान किया। उन्होंने उत्पादन से परे देखने पर जोर दिया। मंत्री महोदय ने सजावटी मछली क्षेत्र के विकास की पुष्टि की और न केवल रोजगार सृजन के लिए बल्कि अर्थव्यवस्था में योगदान के लिए मत्स्य पालन में स्टार्ट अप की सराहना की। श्री जॉर्ज कुरियन ने मत् स् य पालन विकास के साथ-साथ राष् ट्र निर्माण के लिए संस् थान के वैज्ञानिकों के योगदान की सराहना की।

मंत्रियों ने सिफ़ा – अमृत कतला का शुभारंभ किया, जो प्रति पीढ़ी 15% के आनुवंशिक लाभ के साथ कतला की आनुवंशिक रूप से उन्नत प्रजाति है। उन्होंने एनएफएफबीबी को अमृत कतला बीज के पैकेट वितरित किए, जो संस्थान के मार्गदर्शन में बड़े पैमाने पर बीज उत्पादन के लिए गुणक इकाई के रूप में कार्य करता है, जिसे बाद में हैचरी और किसानों को वितरित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, उन्होंने हिंदी में 13 प्रौद्योगिकी पत्रक का एक सेट जारी किया,

जिसमें किसानों के उद्देश्य से मीठे पानी की मछली और शेलफिश के बीज उत्पादन, प्रजनन और ग्रो-आउट संस्कृति पर ध्यान केंद्रित किया गया। दो प्रौद्योगिकियों- एफआरपी पाब्डा हैचरी और एफआरपी कार्प हैचरी के लिए प्रौद्योगिकी लाइसेंसिंग समझौता नेहा फैब्रिकेशन, हुगली, पश्चिम बंगाल, एक उद्यमी को सौंप दिया गया था। मंत्रियों ने संस्थान द्वारा विकसित रंगीन मछली ऐप भी लॉन्च किया। यह ऐप सजावटी मछली के प्रति उत्साही लोगों के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करता है, जो लोकप्रिय प्रजातियों पर आठ भाषाओं में जानकारी प्रदान करता है, पास के मछलीघर स्टोर खोजने के लिए एक अद्यतन निर्देशिका, और सजावटी जलीय कृषि और मछलीघर रखरखाव पर शैक्षिक मॉड्यूल।

डॉ. जे. के. जेना, महानिदेशक, भाकृअनुप में मत्स्य विज्ञान के उप महानिदेशक, और भाकृअनुप-सीफा के निदेशक डॉ. पी. के. साहू ने किसानों के लिए उपलब्ध तकनीकी विकल्पों पर मंत्रियों को विस्तृत जानकारी प्रदान की। डॉ. साहू ने मंत्रियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया, चल रही अनुसंधान गतिविधियों और 2047 के लिए विजन पर एक प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम में 200 से अधिक वैज्ञानिकों, राज्य सरकार के अधिकारियों, किसानों और अन्य हितधारकों की भागीदारी देखी गई, जिसमें जलीय कृषि प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने में सहयोगी प्रयास और व्यापक रुचि पर प्रकाश डाला गया।

विवरण के लिए संपर्क करें

निर्देशक
भाकृअनुप-केंद्रीय मीठे पानी के जलीय कृषि संस्थान
कौशल्यागंगा, भुवनेश्वर-751002
director.cifa@icar.gov.in